

सतगुरु की बलिहारी

सतगुरु की बलिहारी, मैं तो सतगुरु की
बलिहारी
जिनसे मिली है मुझको, हरि की भक्ति
प्यारी सतगुरु की बलिहारी,
मैं तो सतगुरु की बलिहारी...

मन पपीहा बहु दिन को प्यासो,
रटत-रटत हो गयो निराशो
तब स्वार्ति बुंंद मुख डारी,
मैं तो सतगुरु की बलिहारी
सतगुरु की बलिहारी...

गुंगा गुड़ सब कहत बनें ना,
ऐब इदम कब कछु कम है ना
ऐसी रहंन हमारी, मैं तो सतगुरु की
बलिहारी
सतगुरु की बलिहारी...

जैसे बिन्दू में सिन्दू समाया,
क्यों मुझमें ही कृष्ण लखाया
ऐसे खेल खिलाड़ी, मैं तो सतगुरु की
बलिहारी
सतगुरु की बलिहारी...

बाबा धसका पागल पानीपत
संपर्कसुत्र-7206526000

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36443/title/satguru-ki-balihari>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |